भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2139
दिनांक 15.12.2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

कनाडा में फर्जी विश्वविद्यालय प्रवेश

2139. श्रीमती हरसिमरत कौर बादलः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने इस बात पर ध्यान दिया है कि कनाडा सरकार उनके विश्वविद्यालय में फर्जी प्रवेश प्रस्तुत करने में कथित संलिप्तता के लिए हजारों विद्यार्थियों को भारत वापस भेज रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने इस मुद्दे के समाधान के लिए इसे राजनयिक रूप से उठाया है;

(ग) क्या सरकार ने इस बात पर ध्यान दिया है कि छात्र इस मुद्दे के समाधान के लिए काफी लंबे समय से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं; और

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में क्या कदम उठाए गए हैं और यदि राजनयिक वार्ता शुरू की गई है तो उसकी स्थिति क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री वी. मुरलीधरन)

(क)से (घ) सरकार को जानकारी है कि कुछ भारतीय नागरिक, जिसमें छात्र भी शामिल हैं, कथित तौर पर कनाडाई शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश लेने के लिए जाली पत्र जमा करने के लिए कनाडा से निर्वासित किए जा रहे हैं।

ऐसा पता चला है कि इनमें से कई छात्रों को भारत में मौजूद जाली एजेंटों द्वारा भेजा गया था। मंत्रालय ने इन मामलों में शामिल संबंधित जाली एजेंटों/संस्थाओं की पहचान करने और उन्हें न्याय के दायरे में लाने के लिए पंजाब सरकार के साथ इस मामले को उठाया है।

सरकार ने सक्रिय रूप से संबंधित कनाडाई अधिकारियों के साथ यह मुद्दा उठाया कि कैसे भारतीय नागरिक स्थानीय कानून और विनियमों के अनुसार कनाडा में रह सकते हैं। कनाडाई अधिकारियों से निष्पक्ष रहने और मानवीय दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया गया है, क्योंकि इसमें छात्रों की कोई गलती नहीं है।

इन प्रयासों के परिणामस्वरूप कुछ प्रभावित भारतीय नागरिकों को उनके निर्वासन नोटिस या अस्थायी निवासी वीज़ा पर स्थगन आदेश प्राप्त हुए हैं।

सरकार इस मुद्दे पर राजनयिक चैनलों के माध्यम से कनाडा सरकार के साथ संपर्क में है।

*****